बरेली, सोमवार
26 मई, 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16+4=20

दैनिक जागरण inext

PAGE NO : 02 BOTTOM

खून देकर बचाई सैनिक की जान

एसआरएमएस रिद्धिमा में हुआ नाटक 'आत्ममंथन' का मंचन

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (25 May): एसआरएमएस रिद्धिमा के प्रेक्षागृह में रविवार शाम उमा भटनागर द्वारा लिखित कहानी और डॉ. प्रभाकर गुप्ता और अश्वनी द्वारा नाट्य रूपांतरित नाटक 'आत्ममंथन' का मंचन हुआ. विनायक श्रीवास्तव निर्देशित इस नाटक एक छोटे परिवार जिसमें पति-पत्नी और उनके दो बालिग बच्चे मानव और मानसी हैं, पर केंद्रित रहा. मानव सैन्य अधिकारी बनना चाहता है, लेकिन एक दुर्घटना में उसकी मृत्यु हो जाती है, घटना के सदमें से उसके पिता को हार्ड अटैक होता है और वह भी मर जाते हैं. घर में मानसी और उसकी मम्मी अकेले रह जाते हैं. पुत्र और पति वियोग में मानसी की मम्मी ब्रेन ट्यूमर की शिकार हो जाती हैं. भावनात्मक रूप से अपने भाई मानव से जुड़े होने से मानसी भी तनाव में रहती है. उसे मानव सपने हमेशा दिखता है और उसे अपनी जान बचाने के लिए बुलाता रहता है. मानसी सपने की बात अपनी मम्मी को नहीं बताती. पिता और भाई के निधन के बाद पूरे घर की जिम्मेदारी मानसी पर आ जाती है. दिल्ली की किसी कंपनी में नौकरी करने लगती है.

कलाकारों ने किया भावपूर्ण मंचन.

मानसी को लगता है कि उसने अपने भाई कि जान बचाई है

वो अपनी मम्मी को उसकी दवाइयों को कब कैसे खाना है समझा कर स्टेशन जाती है. ट्रेन लेट होने से वह वेटिंग रूम पहुंचती है जहां अखबार में किसी सैनिक को बी निगेटिव ग्रुप के खून की जरूरत की खबर पढ़ती है. मानसी का ब्लड ग्रुप भी बी निगेटिव है, लेकिन सैनिक बनने की तैयारी के दौरान मानव की मौत की वजह से मानसी सैनिकों से नफरत करती है. मानसी का अक्स उसे समझाने का प्रयास करता है और वो उस सैनिक को खून देकर उसकी जान बचाती है. डॉक्टर से मानसी को पता चलता है कि वो सैनिक लेफ्टिनेंट है और उसका नाम मानव है. मानसी को लगता है कि उसने अपने भाई कि जान बचाई है. नाटक यहीं पर खत्म होता है.